

दण्डकारण्य परियोजना के बारे में ३१ मार्च, १९६२ की अवधि तक प्रगति प्रतिवदन दिनांक १ मई, १९६२ जोकि इस सभा के सदस्यों को परिचालित किया गया था उसकी ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

### दण्डकारण्य परियोजना<sup>11</sup>

४८४ श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मन् १९५८ में दण्डकारण्य परियोजना के अन्तर्गत मोटर गाड़ियों, ट्रकों आदि पर कितनी राशि अब तक खर्च हुई है ; और

(ख) उक्त अवधि में इन सब में पेट्रोल का कितना खर्च हुआ है ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) संधारण तथा क्रियाकरण (आप्रगन) को मिलाकर ३१ मार्च, १९६२ तक १.०७ करोड़ रुपये।

(ख) पेट्रोल आदि पर जो खर्च किया गया उसके पृथक आंकड़े उपलब्ध नहीं है

### दण्डकारण्य परियोजना

३४८४. श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मन् १९५८ में अब तक दण्डकारण्य परियोजना में सरकारी कर्मचारियों के बतन भत्ते, एवं आफिस खर्च में कितनी राशि खर्च हुई है ; और

(ख) सरकारी कर्मचारियों के निये मकान बनाने में कितनी राशि इस परियोजना के अन्तर्गत खर्च हुई है ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) और (ख)

से मांगा गई है और प्राप्त होते ही सभा-पटल पर रख दी जायगी।

### Offices in Talkatora Barracks, New Delhi

3485. **Shri P. C. Borooah**: Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state:

(a) whether the building of the offices situated in the Talkatora barracks, New Delhi is being repaired;

(b) if so, how old this building is, and whether it is due for demolition in view of the fact that it had outlived its due term;

(c) how much expenditure would be involved in the repairs, shifting and reshifting of the offices housed therein to and from alternative buildings, and in payments of rents etc. for the alternative buildings;

(d) how does this expenditure referred to in part (c) above compare with the original cost of building of the barracks in question;

(e) whether there was a proposal at some stage to replace these barracks by double or multi-storeyed office buildings; and

(f) if so, why the proposal was not carried out?

**The Minister of Works, Housing and Supply (Shri Mehr Chand Khanna)**: (a) to (f). These barracks, built in 1943 at a cost of about Rs. 14.38 lakhs, have outlived their life. Due to acute shortage of accommodation, it has been found necessary to keep them going for sometime more. Repairs are being carried out to these barracks at an estimated cost of Rs. 2.62 lakhs to make safe. No expenditure by way of rents for alternative buildings is involved.

The expenditure to be incurred on shifting of records, etc., is not likely to be of any magnitude.